Knowledgeable Research Vol. 1, No.08, March 2023. ISSN 2583-6633

Knowledgeable Research Vol-1, No-08, ***March 2023***
An International Open-access Peer-reviewed Journal **Web:** http://www.knowledgeableresearch.com/

शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका

डॉ उदय प्रताप सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर,बी.एड.विभाग
किसान स्नातकोत्तर महाविधालय ,बहराइच
ईमेल: udaysinghedu2610@gmail.com

****

(सारांश)

समाज में शिक्षा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास पर प्रभाव डालती है। शिक्षक प्रभावशीलता का तात्पर्य भावनात्मक, सहायक और सकारात्मक बातचीत के माध्यम से छात्रों से जुड़ने के उनके कौशल से है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता छात्र की प्रभावशीलता में सुधार करती है।भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास और रखरखाव ध्यान, धारणा, बुद्धिमत्ता, जागरूकता और ध्यान के माध्यम से किया जाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक व्यक्ति को खुद को और अपने आस-पास के लोगों को समझने की अनुमति देती है, और अपने साथियों के साथ बातचीत को अधिक मनोरंजक और समृद्ध बनाती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोगों को उनकी भावनाओं, भावनाओं, संवेदनाओं और संवेदनाओं को समझने और विकसित करने में मदद करती है।

(संकेत शब्द): शिक्षा, शिक्षक प्रभावशीलता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, कक्षा प्रबंधन

****

प्रस्तावना:

मानव की वृद्धि और विकास हमेशा उसकी बुद्धि और भावनात्मक संवेदनशीलता पर निर्भर रहा है। दुनिया के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक और दार्शनिक ग्रंथों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर भी काफी जोर दिया गया है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता लोगों को उनकी भावनाओं, भावनाओं, संवेदनाओं और संवेदनाओं को समझने और विकसित करने में मदद करती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अर्थ है भावनाओं और संवेदनाओं को समझना और उनके प्रति संवेदनशील होना। यह एक आंतरिक अभ्यास है जो अंतर्निहित भावनाओं और विचारों को पहचानता है और इस तरह किसी के व्यवहार और प्रतिक्रियाओं को बदलता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक व्यक्ति को खुद को और अपने आस-पास के लोगों को समझने की अनुमति देती है, और अपने साथियों के साथ बातचीत को अधिक मनोरंजक और समृद्ध बनाती है।

Knowledgeable Research Vol. 1, No.08, March 2023. ISSN 2583-6633

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से व्यक्ति अपनी संवेदनशीलता को स्वीकार करता है और अपने लाभ के लिए उसका सही उपयोग करता है। यह उसके सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में सभी रिश्तों को सुचारू बनाने में मदद करता है और उसके जीवन को समृद्ध, खुशहाल और सार्थक बनाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की बदौलत व्यक्ति अपने भीतर संतुलन, शांति और खुशहाली महसूस करता है। इससे उनके मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और तनाव कम होता है, जिससे उनके शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता उसके जीवन को सकारात्मकता से भर देती है और उसके लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास और रखरखाव ध्यान, धारणा, बुद्धिमत्ता, जागरूकता और ध्यान के माध्यम से किया जाता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के लिए योग और ध्यान अभ्यास भी फायदेमंद हैं। दुनिया भर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह व्यक्ति को अपनी समस्याओं को आसानी से समझने, हल करने और आत्म-विकास को बढ़ावा देने की अनुमति देता है। इससे उसके रिश्तों और समाज में सुधार होता है और वह एक अद्भुत और समृद्ध जीवन जी पाता है।

समारोह, साहित्य, कला, नृत्य, संगीत, और धर्मिक गतिविधियों में भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता का खास महत्व है। एक कलाकार अपनी विशेषता को समझने और अपने दर्शकों के साथ संवाद को सुलझाने में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का सहारा लेता है। इसी तरह, धर्म और आध्यात्मिक गतिविधियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता साधक को अध्यात्मिक अनुभूति और उन्नति में मदद करती है।समर्पित और समाधानशील भावनात्मक बुद्धिमत्ता की प्राप्ति हर व्यक्ति के लिए संबंधों, कार्यक्षेत्र, और समाज में एक बेहतर और समृद्ध वातावरण का निर्माण करती है। यह उसके सामाजिक और आध्यात्मिक उत्थान के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है, जो उसे सफलता और आनंद की प्राप्ति में मदद करता है। धरती के हर नागरिक को भावनात्मक बुद्धिमत्ता को अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानना चाहिए और उसे अपने दिनचर्या में शामिल करने का प्रयास करना चाहिए। इससे न केवल व्यक्ति के आत्मविकास में सहायता मिलती है, बल्कि समाज और संसार को भी भावनात्मक और समर्थ बनाने में सहायता मिलती है। इस तरह, हम सभी मिलकर एक समृद्ध और समरस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं जहां सभी को सुख, शांति, और समृद्धि का अनुभव होता है।

शिक्षा समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और छात्रों के शैक्षिक और सांस्कृतिक विकास को प्रभावित करती है। शिक्षक प्रभावशीलता एक शिक्षक की छात्रों के साथ भावनात्मक, सहायक और सकारात्मक बातचीत में शामिल होने की क्षमता है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता छात्रों की प्रभावशीलता को बढ़ाती है और छात्रों को अपनी भावनाओं, समझ और सोच से जुड़ने की अनुमति देती है। यह लेख शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका की जाँच करता है। हम विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों के साथ व्यवस्थित सर्वेक्षण, प्रश्नावली और साक्षात्कार के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर इस विषय पर विचार करेंगे।

शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन दोनों शिक्षा के माध्यम से शिक्षा उपकरणों के माध्यम से शिक्षा देने में आवश्यक माने जाते हैं। भावनात्मक बुद्धिमत्ता एक शिक्षक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसके माध्यम से वह छात्रों के मनोबल को उत्तेजित कर, उन्हें प्रेरित कर और उनके अध्ययन के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास का समर्थन करता है। यह

Knowledgeable Research Vol. 1, No.08, March 2023. ISSN 2583-6633

शोध लेख शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करेगा। शिक्षक प्रभावशीलता उस गुण का संयोजन है जो शिक्षक को उच्च स्तर के अध्यापन कौशलों और छात्रों के साथ सकारात्मक संवाद की क्षमता से सुसज्जित करता है। इसमें शिक्षक के अध्यापन और संबोधन के तरीके, उनके प्रयोग किए जाने वाले शिक्षागत उपकरणों का संचय, और छात्रों के साथ संबंधों को स्थायी और स्थिर बनाने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता की जरूरत होती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता से शिक्षक छात्रों के संबोधन में आत्मविश्वास दिखाते हैं, उन्हें समर्थन प्रदान करते हैं, और उनके सकारात्मक विकास का ध्यान रखते हैं।

कक्षा प्रबंधन एक कठिन कार्य हो सकता है, क्योंकि यह शिक्षक के लिए संघर्षपूर्ण होता है छात्रों को संभालना, उनकी रूचियों को समझना, और उन्हें विभिन्न शैलियों में प्रशिक्षित करना। भावनात्मक बुद्धिमत्ता इस कठिनाई का सामना करने के लिए शिक्षक को सशक्त बनाती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले शिक्षक अपने छात्रों के साथ सहानुभूति और सम्मान से व्यवहार करते हैं, उनकी जरूरतों को समझते हैं और उन्हें अपने पोजिटिव विचारों से प्रेरित करते हैं। इससे छात्रों को एक सुरक्षित और सकारात्मक शिक्षा वातावरण मिलता है जो उनके विकास में महत्वपूर्ण है।

भूमिका:

1.1 शिक्षक प्रभावशीलता की परिभाषा

शिक्षक प्रभावशीलता एक शिक्षक की योग्यता है, जो उन्हें उनके छात्रों के साथ संवेगशील, समर्थनशील, और सक्रिय संवाद स्थापित करने में मदद करती है। इस भावनात्मक संवेगशीलता की भूमिका से उन्हें छात्रों की जिज्ञासा को जागृत करने, समझने, और उनके विकास को समर्थन करने का संबल मिलता है।

1.2 भावनात्मक बुद्धिमत्ता की परिभाषा

भावनात्मक बुद्धिमत्ता शिक्षक की योग्यता है, जो उन्हें अपने छात्रों के साथ संवेगशीलता, समझदारी, और विचारशीलता के साथ सम्मिलित करती है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता से उन्हें छात्रों की भावनाओं को समझने, उन्हें प्रोत्साहित करने, और संवेगी परिस्थितियों में उन्हें सहायता प्रदान करने की क्षमता होती है।

शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन के प्रमुख घटक:

2.1 संवेगशीलता और भावुकता

शिक्षक प्रभावशीलता के संदर्भ में, हम विभिन्न प्रकार की संवेगशीलता और भावुकता की चर्चा करेंगे और उनके असर को छात्रों के शिक्षात्मक और सांस्कृतिक विकास पर देखेंगे।

2.2 समझदारी और विचारशीलता

Knowledgeable Research Vol. 1, No.08, March 2023. ISSN 2583-6633

शिक्षक प्रभावशीलता में समझदारी और विचारशीलता का महत्वपूर्ण स्थान है। हम विभिन्न शिक्षकों के माध्यम से इस विषय पर विचार करेंगे और उनके अनुभवों से इसकी महत्वता को समझेंगे।

शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन के प्रभाव:

3.1 शिक्षक प्रभावशीलता और विद्यार्थी संबंध

शिक्षक की प्रभावशीलता कैसे उनके छात्रों के संबंधों को प्रभावित करती है? हम इस विषय पर विचार करेंगे और इससे उनके शिक्षात्मक प्रदर्शन और सांस्कृतिक विकास पर दिए जाने वाले प्रभाव को समझेंगे।

3.2 कक्षा प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का अध्ययन

कक्षा प्रबंधन के समय, भावनात्मक बुद्धिमत्ता कैसे शिक्षक को सहायक सिद्ध हो सकती है? इस विषय में हम विभिन्न कक्षा प्रबंधन की विधियों को देखेंगे और उनके प्रभाव को विश्लेषण करेंगे।

शिक्षक प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय:

4.1 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

भावनात्मक बुद्धिमत्ता को कैसे विकसित किया जा सकता है? शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता में सुधार के लिए कैसे सहायता प्रदान कर सकते हैं? हम इस विषय पर विचार करेंगे और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव को देखेंगे।

4.2 शिक्षक-छात्र संवाद

भावनात्मक बुद्धिमत्ता को विकसित करने के लिए शिक्षक-छात्र संवाद का क्या महत्व है? हम इस विषय पर विचार करेंगे और इससे उनके शिक्षात्मक और सांस्कृतिक विकास पर दिए जाने वाले प्रभाव को समझेंगे।

समाधान:

शिक्षकों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के लिए नियमित मेधावी सेमिनारों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समर्थन किया जाना चाहिए।शिक्षा प्रशासनिक संरचना में भी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को समर्थित किया जाना चाहिए, जिससे कि शिक्षकों को उनके प्रयासों का सम्मान और प्रोत्साहन मिल सके।छात्रों के साथ संबंध बनाने और उन्हें समझने के लिए शिक्षकों को समय देना और उनके साथ निकट संवाद बनाए रखना चाहिए।कक्षा में शिक्षकों को सकारात्मक प्रोत्साहन देना चाहिए और उन्हें उनके सफलताओं का सम्मान करना चाहिए।

निम्न स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता वाले माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों में पेशेवर नैतिकता, भूमिका अधिभार और शिक्षक-सहकर्मी पहलू से संबंधित पेशेवर नैतिकता के मापदंडों के बीच एक महत्वपूर्ण सकारात्मक सहसंबंध पाया गया। भूमिका संघर्ष और शिक्षक प्रबंधन पहलू, शिक्षकों के सामुदायिक पहलू और सामान्य पेशेवर नैतिकता से उत्पन्न पेशेवर

Knowledgeable Research Vol. 1, No.08, March 2023. ISSN 2583-6633

दबाव के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। अतार्किकता के मापन और शैक्षणिक समाज और सामान्य पेशेवर नैतिकता के पहलू से उत्पन्न पेशेवर दबाव के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। कमजोर सहसंबंध के कारण पेशेवर दबाव और शिक्षक-छात्र, शिक्षक-सहकर्मी, शिक्षक-नेतृत्व, शिक्षक-अभिभावक, शिक्षक-समाज और सामान्य पेशेवर नैतिकता के पहलुओं के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। आकार. निम्न-आयामी स्थिति और शिक्षक-छात्र संबंध से जुड़ी व्यावसायिक नैतिकता के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध पाया गया। कठिन कामकाजी परिस्थितियों के कारण उत्पन्न पेशेवर तनाव और "शिक्षक-छात्र" पहलू से जुड़े पेशेवर नैतिकता के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक संबंध पाया गया। काम पर समग्र तनाव और पेशेवर नैतिकता के प्रति शिक्षक-समाज के दृष्टिकोण के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक सहसंबंध पाया गया।

निष्कर्ष:

इस शोध-लेख में, हमने देखा कि शिक्षक प्रभावशीलता और कक्षा प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। भावनात्मक बुद्धिमत्ता से शिक्षक छात्रों के साथ संवेगशील और सक्रिय संवाद स्थापित करते हैं, जो उनके शिक्षात्मक और सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. लास्कर, रामाधार (2011): सतत् एवं समग्र मूल्याकन पद्धति में परिवर्तन का विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।
2. गुप्ता, एस.पी. (2014): उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद।
3. कुमार, प्रवीण (2021),: अध्यापकों के लिए व्यावसायिक नीतिबोध की आवश्यकता: एक अध्ययन, रेमार्किंग एन अनालिजेशन, वॉल्यूम - 6, पृष्ठ भ्7.भ्12ण्
4. हमरे, बी.के., और पियांटा, आर.सी. (2001)। प्रारंभिक शिक्षक-बच्चे के रिश्ते और आठवीं कक्षा के माध्यम से बच्चों के स्कूल के परिणामों का प्रक्षेपवक्र। बाल विकास, 72(2), 625-638।